NBT PAGE 4

बीजेएमसी में 49%, बीवोक में 37% ने छोड़ी परीक्षा

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ यूनिवर्सिटी के स्नातक की 4000 से अधिक सीटों पर दाखिले के लिए मंगलवार से परीक्षाओं का आगाज हो गया। पहले दिन बैचलर इन वोकेशनल स्टडीज (बीवोक) और बैचलर इन जर्नलिज्म ऐंड मास कम्युनिकेशन (बीजेएमसी) की परीक्षा में कुल 133 अभ्यर्थी शामिल हुए।

एलयू : बीएएसी (गणित) और बीईआईएलएड की प्रवेश परीक्षा आज

बीजेएमसी में प्रवेश के लिए 208 आवेदन आए थे। इनमें से महज 107 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। यानी 49 फीसदी परीक्षा में शामिल नहीं हुए। इसी प्रकार बीवोक में 37 प्रतिशत ने परीक्षा नहीं दी। बीवोक के लिए आए 41 आवेदनों में महज 26 ही परीक्षा में शामिल हुए। वहीं, दूसरे दिन बुधवार को सुबह 11 से दोपहर 12:30 बजे तक बीईआईएलएड और दोपहर 3 से शाम 4:30 बजे तक बीएससी (गणित) की प्रवेश परीक्षा होगी। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर के अनुसार परीक्षा के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग सहित अन्य कोरोना प्रोटोकॉल का शतप्रतिशत पालन करवाया जा रहा है। एलयू ओल्ड कैंपस में 31 अगस्त तक परीक्षाएं होंगी।

एलयू: 31 तक परीक्षा फॉर्म भरने का मौका

एलयू एवं उससे संबद्ध महाविद्यालय के स्नातक, परास्नातक, बीएलएड व अन्य पाठ्यक्रमों के नियमित, बैक पेपर व इक्जेम्टेड परीक्षा के फॉर्म 31 अगस्त तक भरे जा सकेंगे। हालांकि जिन पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की परीक्षाएं हो चुकी हैं वे फॉर्म नहीं भर सकेंगे। एलयू परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना के अनुसार www.exam.luonline.in व www.lkouniv.ac.in पर ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरे जा सकते हैं। कॉलेजों के विद्यार्थियों को एक हजार रुपये विलंब शुल्क भी जमा करना होगा। इम्प्रूवमेंट की परीक्षा के लिए सिर्फ अंतिम वर्ष-सेमेस्टर के विद्यार्थी फॉर्म भर सकते हैं। जिन कक्षाओं में विद्यार्थियों को प्रोन्नत किया जाना है, वे इम्प्रूवमेन्ट फॉर्म नहीं भरेंगे। ऐसे विद्यार्थियों की परीक्षाएं करवाई जाएंगी। ऑनलाइन फॉर्म भरने के बाद परीक्षा शुल्क की रसीद जमा करनी होगी। एलयू के विद्यार्थियों को विलंब शुल्क जमा नहीं करना होगा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में स्नातक के हजारों छात्रों को राहत

यूजी के शुल्क में 25% से ज्यादा की कटौती

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक के हजारों छात्रों को राहत देते हुए शुल्क में 25 फीसदी से अधिक की कटौती करने का निर्णय लिया है। कुलपति प्रो. आलोक राय की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई विद्या परिषद और कार्य परिषद की बैठक में इस पर अनुमोदन दिया गया। लविवि से संबद्ध कॉलेजों समेत हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी और रायरेली के कॉलेजों के छात्रों का इसका लाभ मिलेगा। वहीं, नई शिक्षा नीति के तहत लविवि के शिक्षकों द्वारा तैयार किया गए खुद के सिलेबस को भी अनुमोदन दे दिया गया।

लविवि से जब चार जिलों के कॉलेज जुड़े तो कॉलेज प्रतिनिधियों समेत छात्र संघों ने लविवि की ज्यादा शुल्क को लेकर शिकायत दर्ज की थी, जबकि कानपुर विवि का शुल्क लविवि से काफी कम है। इसी को देखते हुए लविवि ने शुल्क में कटौती करने का निर्णय लिया है। लविवि की परीक्षा शुल्क करीब चार हजार रुपये सालाना है, जिसमें करीब एक हजार रुपये की कटौती का निर्णय लिया गया है। इससे स्नातक के 50 हजार छात्रों को राहत मिलेगी, लेकिन हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी और रायबरेली के कॉलेजों के छात्रों के लिए अब भी शुल्क थोड़ा ज्यादा ही है। उनके अनुसार कानपुर विवि करीब डेढ़ हजार रुपये सालाना तक ही वसूलता है। इसके अलावा लविवि ने रजिस्ट्रेशन शुल्क भी एक हजार रुपये से घटाकर 500 रुपये कर दिया है। शुल्क कटौती की यह सुविधा नए सत्र से नए छात्रों को दी जाएगी। इसके अलावा अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के समस्त शुल्कों जैसे ट्यूशन फीस, परीक्षा शुल्क, खेलकूद फीस और हॉस्टल फीस को भी माफ किया जाएगा।

चार साल का होगा स्नातक पाठ्यक्रम

लविवि में एनईपी के तहत स्नातक अब चार वर्ष का होगा, जिसमें 24 क्रेडिट होंगे। पहला साल सर्टिफिकेट कोर्स, दूसरा डिप्लोमा, तीसरा डिग्री और चौथा साल रिसर्च विद डिग्री कोर्स होगा। वहीं, कार्यपरिषद में शिक्षा शास्त्र विभाग के दो शिक्षकों डॉ. अरुण कुमार और डॉ. सरवन की प्रोफेसर की चयन समिति का लिफाफा खोला गया, जिसमें दोनों को प्रोन्नति मिली। की गई। वहीं ओरिएंटल पर्शियन विभाग के शिक्षक का लिफाफा खोले जाने पर कार्यपरिषद ने कोई निर्णय नहीं लिया।

HINDUSTAN PAGE 6 & 7

एलयू ने कॉलेजों का परीक्षा शुल्क 25% घटाया

अच्छी खबर

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सम्बद्ध कॉलेजों को राहत देते हुए परीक्षा शुल्क में 25% कटौती कर दी है। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद, एकेडमिक काउंसिल की मंगलवार हुई बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। इससे लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, लखीमपुर खीरी और सीतापुर में सम्बद्ध 524 कॉलेजों के लाखों छात्रों को राहत मिलेगी।

कार्य परिषद-एकेडमिक काउंसिल में प्रस्ताव

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में कार्य परिषद और एकेडमिक काउंसिल की बैठक में फीस कटौती का प्रस्ताव रखा गया था। कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध डिग्री कॉलेज पिछले वर्ष जब लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हुए तबसे फीस कटौती की मांग हो रही थी। कानपुर विश्वविद्यालय में परीक्षा शुल्क एलयू के मुकाबले काफी कम है और सम्बद्धता बदलने पर छात्रों को अतिरिक्त शुल्क देना पड़ रहा था।

मांग : 50% होनी चाहिए कटौती

लुआक्टा अध्यक्ष डॉ. मनोज पाण्डेय ने कहा कि हरदोई, लखीमपुर, रायबरेली, और सीतापुर से तीन सौ से ज्यादा कॉलेज जुड़ने पर विश्वविद्यालय की आय बढ़ी है। ये सभी पिछड़े जिले में आते हैं। कोरोना को देखते हुए लखनऊ विवि को 50 फीसद शुल्क घटाना चाहिए था। अगले हफ्ते लुआक्टा राज्यपाल को मांग पत्र देगा।

एनईपी लागू हो गई

एकेडमिक काउंसिल, कार्य परिषद की एक ही दिन हुई बैठक में नए सत्र 2021-22 में नई शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) लागू करने पर मुहर लगा दी गई। कुलसचिव विनोद सिंह ने बताया कि सभी विभागों ने एनईपी के तहत तैयार पाठ्यक्रम को मंजूरी दे दी है। सत्र 2021-22 से लखनऊ विश्वविद्यालय और सभी सम्बद्ध डिग्री कॉलेजों में एनईपी लागू की जा रही है। एनईपी के तहत ही प्रवेश होंगे।

प्रोफेसर पद पर प्रोन्नति

कार्यपरिषद में शिक्षा शास्त्र विभाग के दो शिक्षक डॉ. अरुण कुमार, डॉ. सरवन की प्रोफेसर की चयन समिति का लिफाफा खोला गया। दोनों की प्रोफेसर पद पर प्रोन्नति हो गई। कार्यवाहक कुलपति शैलेश शुक्ला के समय कार्य परिषद ने चयन समिति के लिफाफे राजभवन को संदर्भित कर दिए थे। समान मामले में ओरिएंटल पर्शियन विभाग के शिक्षक का लिफाफा खोले जाने पर निर्णय नहीं लिया गया।

परीक्षा शुल्क पाठ्यक्रम अनुसार अलग-अलग औसतन 25 फीसदी कम की गई है। नामांकन शुल्क में 50 फीसदी कमी है। नामांकन शुल्क 1000 लिया जाता है, जो अब पांच सौ रुपये लिया जाएगा। - दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, एलयू

स्नातक प्रवेश परीक्षा शुरू, आधे अभ्यर्थियों ने छोड़ी

लखनऊ विवि

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र में प्रवेश के लिए स्नातक प्रवेश परीक्षा मंगलवार से शुरू हो गई। 31 अगस्त तक अलग-अलग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा होगी। पहले दिन पहली पाली में बीवोक और दूसरी पाली में बीजेएमसी की प्रवेश परीक्षा हुई। मंगलवार को ही प्रारंभिक अर्हता परीक्षा होने के कारण बीजेएमसी प्रवेश परीक्षा 49 फीसद अभ्यर्थियों ने छोड़ दी। वहीं पहली पाली में हुई बीवोक प्रवेश परीक्षा 37 फीसद अभ्यर्थियों ने छोड़ दी।

बीवोक में प्रवेश के लिए 41 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिसमें से 26 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 15 ने परीक्षा छोड़ दी। इसी क्रम में बीजेएमसी में प्रवेश के लिए 208 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इसमें 107 से परीक्षा दी और 101 अनुपस्थित रहे। स्नातक प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्न पत्र प्रणाली के आधार पर हुई। 100 प्रश्नों के उत्तर अभ्यर्थियों को देने थे। अभ्यर्थियों ने कहा कि पेपर सरल था।

बुधवार को बीएससी मैथ और बीएलएड में प्रवेश के लिए परीक्षा होगी।

बीए प्रथम सेमेस्टर में प्रमोशन परिणाम जारी

एलयू ने मंगलवार को बीए प्रथम सेमेस्टर में प्रमोट किए गए छात्र-छात्राओं का परिणाम जारी कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर रिजल्ट अपडेट है।

31 अगस्त तक भर सकेंगे परीक्षा फार्म

लखनऊ विश्वविद्यालय ने परीक्षा फार्म भरने की तिथि 31 अगस्त तक बढ़ा दी है। एक हजार रुपए विलम्ब शुल्क के साथ स्नातक सम सेमेस्टर एवं पीजी सेमेस्टर परीक्षा 2021 के फार्म 31 अगस्त तक भरे जा सकते हैं।

परीक्षा तिथि में संशोधन के लिए छात्रों का प्रदर्शन

एलयू स्नातक की प्रवेश परीक्षा मंगलवार से शुरू हुई। इन्ही तारीखों में सीबीएसई एवं आईसीएसई बोर्ड बारहवीं की इम्प्रूवमेंट परीक्षा भी है। ऐसे में बोर्ड के कई हजार बच्चे स्नातक प्रवेश परीक्षा से वंचित रह जाएंगे। समाजवादी छात्रसभा और आइसा ने परीक्षा की तिथियों में संशोधन की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। प्राक्टर ने आन्दोलनकारी छात्रों से बात और कुलपति से मुलाकात करवायी। छात्रनेता कार्तिक ने बताया कि कुलपति ने आश्वासन दिया कि जिन छात्रों की परीक्षा छूटेगी उनकी परीक्षा करायी जाएगी।

i-NEXT PAGE I

एलयू की पढ़ाई सस्ती

LUCKNOW (24 Aug Inext): लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में ग्रेजुएशन के स्टूडेंट्स की फीस में 25 फीसद से ज्यादा की कमी की जाएगी. यह सुविधा सत्र 2021-22 से लागू होगी. यह कमी एनरोलमेंट और परीक्षा शुल्क में होगी. मंगलवार को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई विद्या परिषद और कार्य परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई. इसके अलावा बैठक में नई शिक्षा नीति के अनुरूप तैयार किए गए चार वर्षीय स्नातक सिलेबस को भी मंजूरी दे दी गई.

GOOD NEWS

CONCEPT PIC

25	173	03
फीसद कम होगी फीस	कॉलेज सम्बद्ध एलयू से	सौ कॉलेज दूसरे जिलों के

एनसीसी की पढ़ाई करेंगे छात्र

लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राएं अभी तक एनसीसी को एक्टिविटी के तौर पर लेते थे. पहली बर इसका पाठ्यक्रम तैयार किया गया है. विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक यह कोर्स डिफेंस स्टडीज विभाग के अंतर्गत संचालित होगा. इसका क्रेडिट और वेटेज भी मिलेगा.

विद्या परिषद और कार्य परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई. इसके अलावा बैठक में चार वर्षीय स्नातक सिलेबस को भी मंजूरी दे दी गई.

विभाग तैयार कर रहे वोकेशनल कोर्स

विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं को रोजगारपरक बनाने के लिए कई विभाग वोकेशनल कोर्स तैयार कर रहे हैं. एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इस पर भी चर्चा हुई. बताया गया कि बाटनी विभाग ने दो वोकेशनल कोर्स तैयार किए हैं.

कोर्ट के आदेश के बाद 2 शिक्षक बने प्रोफेसर

हाईकोर्ट के आदेश के बाद मंगलवार को कार्यपरिषद में शिक्षा शास्त्र विभाग के दो शिक्षकों डा. अरुण कुमार और डॉ. सरवन के पदोन्नति के लिए चयन समिति का लिफाफा खोला गया. दोनों को प्रोफेसर के पद पर प्रोन्नति दे दी गई. लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के मुताबिक, पूर्व कुलपति डॉ. एसपी सिंह ने दोनों शिक्षकों की प्रोन्नति के लिए चयन समिति की बैठक की थी, लेकिन बाद में कार्यवाहक कुलपति शैलेश कुमार शुक्ला के समय कार्य परिषद ने चयन समिति के लिफाफे राजभवन को भेज दिए थे.जिसके बाद यह निर्णय लिया गया.

नई शिक्षा नीति के अनुरूप तैयार किया गया चार साल का स्नातक कोर्स पास

हजारों स्टूडेंट्स को मिलेगी राहत

दरअसल, एलयू से राजधानी में 173 कालेज सम्बद्ध हैं. इसके अलावा हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी एवं रायबरेली के तीन सौ से ज्यादा कालेज भी जुड़ गए. बीते दिनों कालेजों ने लखनऊ विश्वविद्यालय का अधिक शुल्क होने पर नाराजगी जताते हुए विश्वविद्यालय और उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा था. प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि मंगलवार को बैठक में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध इन सभी कालेजों में स्नातक छात्रों की फीस 25 फीसद से ज्यादा कम करने पर फैसला लिया गया. यह व्यवस्था प्रति सेमेस्टर लागू होगी. इससे हजारों छात्र-छात्राओं को राहत मिलेगी.

बीते दिनों कालेजों ने लखनऊ विश्वविद्यालय का अधिक शुल्क होने पर नाराजगी जताते हुए विश्वविद्यालय और उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा था.

माफ होगी फीस

एलयू कैंपस में पढ़ने वाली अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के समस्त शुल्क जैसे ट्यूशन फीस, परीक्षा शुल्क, खेलकूद तथा हास्टल की फीस को भी माफ करने की अनुमति दी गई.

4 साल का नया ग्रेजुएशन

बैठक में चार वर्षीय स्नातक सिलेबस को भी मंजूरी दे दी गई. नए पाठ्यक्रम में एंट्री और एग्जिट के साथ-साथ स्टूडेंट्स के स्किल डेवलपमेंट और को-करिकुलर एक्टिविटी को भी जगह दी गई है. इसके अलावा लॉ के पाठ्यक्रम में भी स्किल डेवलपमेंट के साथ-साथ बीबीए टूरिज्म के सातवें सेमेस्टर में एडवेंचर एंड वाइल्ड लाइफ और वेलनेस एंड मेडिकल टूरिज्म को जोड़ा गया है. इनमें से कोई एक विषय लेने का विकल्प रहेगा.

JAGRAN CITY PAGE I

कम होगा 25 फीसद शुल्क

विद्या परिषद और कार्य परिषद ने दी मंजूरी स्नातक विद्यार्थियों को होगा लाभ

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में स्नातक के छात्र-छात्राओं की फीस में 25 फीसद से ज्यादा की कमी की जाएगी। यह सुविधा सत्र 2021-22 से लागू होगी। यह कमी एनरोलमेंट और परीक्षा शुल्क में होगी। मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई विद्या परिषद और कार्य परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को पास कर दिया गया। इसके अलावा बैठक में नई शिक्षा नीति के अनुरूप तैयार किए गए चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को भी मंजूरी दे दी गई।

दरअसल, लखनऊ विश्वविद्यालय से राजधानी में 173 कालेज सम्बद्ध हैं। इसके अलावा हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी एवं रायबरेली के तीन सौ से ज्यादा कालेज भी जुड़ गए। बीते दिनों कालेजों ने लखनऊ विश्वविद्यालय का अधिक शुल्क होने पर नाराजगी जताते हुए विश्वविद्यालय और उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा था। प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि मंगलवार को बैठक में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध इन सभी कालेजों में स्नातक छात्रों की फीस 25 फीसद से ज्यादा कम करने पर फैसला लिया गया। यह व्यवस्था प्रति सेमेस्टर लागू होगी। इससे हजारों छात्र-छात्राओं को राहत मिलेगी।

माफ होगी फीसः लवि कैंपस में पढ़ने वाली अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के समस्त शुल्क जैसे ट्यूशन फीस, परीक्षा शुल्क, खेलकूद तथा हास्टल की फीस को भी माफ करने की अनुमति दी गई।

चार साल का नया स्नातक कोर्स पास : बैठक में नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत तैयार किए गए चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को भी मंजूरी दे दी गई। नए पाठ्यक्रम में एंट्री और एग्जिट के साथ-साथ छात्र-छात्राओं के स्किल डेवलपमेंट और को-करिकुलर एक्टिविटी को भी जगह दी गई है। इसके अलावा लॉ के पाठ्यक्रम में भी स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के साथ-साथ बीबीए टूरिज्म के सातवें सेमेस्टर में एडवेंचर एंड वाइल्ड लाइफ और वेलनेस एंड मेडिकल टूरिज्म को जोड़ा गया है। इनमें से कोई एक विषय लेने का विकल्प रहेगा।

एनसीसी की पढ़ाई करेंगे छात्रः लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राएं अभी तक एनसीसी को एक्टिविटी के तौर पर लेते थे। पहली बर इसका पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक यह कोर्स डिफेंस स्टडीज विभाग के अंतर्गत संचालित होगा। इसका क्रेडिट और वेटेज भी मिलेगा।

विभाग तैयार कर रहे वोकेशनल कोर्सः विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं को रोजगारपरक बनाने के लिए कई विभाग वोकेशनल कोर्स तैयार कर रहे हैं। एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इस पर भी चर्चा हुई। बताया गया कि बाटनी विभाग ने दो वोकेशनल कोर्स तैयार किए हैं।

लवि में यूजी प्रवेश परीक्षाएं शुरू

लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) में मंगलवार से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षाएं शुरू हो गईं। पहले दिन सुबह की पाली में बीवोक विषय की प्रवेश परीक्षा थी। इसमें अभ्यर्थियों की संख्या कम रही। कोविड प्रोटोकाल के अनुसार सभी को मास्क और प्रवेश पत्र जांच कर सीट पर दूर-दूर बैठाया गया।

सुबह की पाली में 11 से 12.30 बजे तक बीवोक विषय की परीक्षा की शुरुआत हो गई है। इसमें 41 में से 26 अभ्यर्थी उपस्थित थे। वहीं, तीन से शाम 4.30 बजे तक बीजेएमसी (जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन) की प्रवेश परीक्षा में 208 में से 101 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। 101 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। प्रवेश परीक्षा का पैटर्न बहुविकल्पीय था। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का था। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों एवं आरक्षण वालों के दस्तावेजों की जांच करने के बाद उन्हें परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी गई। प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 25 अगस्त को सुबह 11 से 12.30 बजे तक बीएलएड, दोपहर तीन से शाम 4.30 बजे तक बीएससी मैथ्स विषय की प्रवेश परीक्षा होगी। शेष प्रवेश परीक्षाओं का विवरण वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर उपलब्ध है।

दो शिक्षक बने प्रोफेसर

हाईकोर्ट के आदेश के बाद मंगलवार को कार्यपरिषद में शिक्षा शास्त्र विभाग के दो शिक्षकों डा. अरुण कुमार और डा. सरवन के पदोन्नति के लिए चयन समिति का लिफाफा खोला गया। दोनों को प्रोफेसर के पद पर प्रोन्नति दे दी गई। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के मुताबिक, पूर्व कुलपति डा. एसपी सिंह ने दोनों शिक्षकों की प्रोन्नति के लिए चयन समिति की बैठक की थी, लेकिन बाद में कार्यवाहक कुलपति शैलेश कुमार शुक्ला के समय कार्य परिषद ने चयन समिति के लिफाफे राजभवन को भेज दिए थे।

लेट फीस के साथ 31 तक भरें परीक्षा फार्म

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक सम सेमेस्टर एवं पीजी सेमेस्टर परीक्षा मई-जून 2021 के फार्म भरने की तिथि लेट फीस के साथ बढ़ा दी है। अब छात्र-छात्राएं एक हजार रुपये लेट फीस के साथ 31 अगस्त तक आनलाइन फार्म वेबसाइट www.exam.luonline.in एवं www.lkouniv.ac.in के माध्यम से भर सकते हैं। मंगलवार को परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

अभी तक स्नातक सम सेमेस्टर कक्षाओं जैसे बीए, बीएससी, बीकाम (द्वितीय, चतुर्थ सेमेस्टर), परास्नातक, प्रबंधकीय परास्नातक डिप्लोमा, प्रबंधकीय स्नातक, विधि तीन वर्षीय एवं आनर्स, डिप्लोमा, बीकाम आनर्स, बीएससी, एमएससी, बीएससी एवं एमएससी कृषि, बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड, ललित कला संकाय एवं अन्य सेमेस्टर के नियमित, बैक पेपर एवं एग्जेम्टेड सेमेस्टर परीक्षा के फार्म लेट फीस के साथ भरने की तिथि चार अगस्त थी। छात्र-छात्राओं की समस्याओं को देखते हुए इसे 31 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। बैक पेपर, इम्प्रूवमेंट, एग्जम्टेड छात्रों को आनलाइन फार्म भरकर परीक्षा शुल्क भी जमा करना होगा। फार्म और शुल्क रसीद संबंधित संकायाध्यक्ष या विभागाध्यक्ष कार्यालय में ई-मेल अथवा आफलाइन जमा कर सकते हैं। संकायाध्यक्षों को भी 31 अगस्त तक आनलाइन फार्म अग्रसारित करते हुए परीक्षा विभाग को उपलब्ध कराना होगा।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

स्नातक व परास्नातक शुल्क में 25 फीसदी की कमी

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में विद्या परिषद एवं कार्यपरिषद की वैठक हुई। वैठक में लविवि के एजुकेशन डिपार्टमेंट के दो शिक्षकों अरुण कुमार और श्रवण कुमार के लिफाफे खोलने पड़े। इन दोनों ही शिक्षकों की कमेटी पूर्व कुलपति सुरेंद्र प्रताप सिंह कर गए थे लेकिन पिछले डेढ़ वर्षो से मामला विवादित वताकर इन्हें नहीं खोला जा रहा था लेकिन न्यायालय के आदेश के वाद अंततः मंगलवार को कार्य परिषद में इनके लिफाफे खोले गए और इन्हें प्रोफेसर पद पर जॉइनिंग दी गई है।

लविवि विद्या परिषद एवं कार्यपरिषद की बैठक

न्यायालय के आदेश पर खुले दो शिक्षकों के लिफाफे

वैठक में नई शिक्षा नीति-2020 को कार्य परिषद ने अनुमति देने के साथ ही अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के समस्त शुल्कों यथा ट्यूशन फीस, परीक्षा शुल्क, खेलकूद फीस तथा हॉस्टल की फीस को भी माफ करने की अनुमति मिल गई। वर्तमान में विश्वविद्यालय से लखनऊ में स्थित कालेज एवं इसके अतिरिक्त हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर-खीरी एवं रायवरेली के कॉलेज वर्तमान में सम्वद्ध है। इन सभी कॉलेज का स्नातक कोर्स के लिए छात्रों के शुल्क में 25S से ज्यादा की कमी की गई। इसको भी कार्य परिषद ने अनुमोदन दिया है।

लविवि में शुरू हुई स्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा : लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र में स्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा मंगलवार से शुरू हो गयी। मंगलवार को प्रवेश परीक्षा का आयोजित दो पालियों में किया गया, जिसमें प्रथम पाली में वीवोक पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा हुई तथा दूसरी पाली में वीजेएमसी पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रथम पाली में वीवोक विषय की प्रवेश परीक्षा में 37 फीसद अभ्यर्थियों ने तथा दूसरी पाली में आयोजित वीजेएमसी विषय की प्रवेश परीक्षा में लगभग 49 फीसद विद्यार्थी परीक्षा में शामिल नहीं हुए। वीवोक पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए कुल 47 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिसमें से 26 अभ्यर्थी ही प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए तथा 15 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार वीजेएमसी पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए 208 अभ्यर्थियों ने अपने आवेदन किए थे, जिसमें से 107 अभ्यर्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी तथा 101 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। विश्वविद्यालय में बुधवार को वीएससी (गणित) तथा वीएलएड पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन दो पालियों में पूर्वाह्न 11 से 12.30 वजे तक तथा अपराह्न तीन वजे से साढ़े चार वजे तक होगा।

स्नातक प्रवेश परीक्षा की तिथि बदलने की मांग को लेकर धरना : एक ही दिन लविवि स्नातक की प्रवेश परीक्षा और सीवीएसई एवं आईसीएसई वोर्ड वारहवीं के इम्प्रूवमेंट परीक्षा होने के चलते परीक्षा में वदलाव की मांग को लेकर छात्रों ने धरना दिया। छात्र नेताओं का कहना था कि यदि परीक्षाओं की तिथि नहीं वदली गयी तो सीवीएसई एवं आईसीएसई वोर्ड के कई हज़ार वच्चे लविवि की स्नातक प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित रह जायेंगे। इसे लेकर समाजवादी छात्रसभा ने विश्वविद्यालय प्रशासन भवन के सामने आंदोलन पर वैठ गए। इकाई अध्यक्ष कार्तिक पाण्डेय ने कहा कि वह लोग पहले ही ज्ञापन दे चुके थे लेकिन उनकी मांगों का कोई समाधान नहीं निकला। इस दौरान लविवि के प्राक्टर दिनेश कुमार ने कुलपति से वार्ता करवाई। छात्र नेताओं का कहना है कि कुलपति ने उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया है।

AMRIT VICHAR PAGE 2

लविवि ने नई शिक्षा नीति को दी अनुमति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में विद्या परिषद और कार्यपरिषद की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में नई शिक्षा नीति-2020 को कार्य परिषद ने अनुमति दी गई। इसी के साथ अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के समस्त शुल्कों जैसे ट्यूशन फीस, परीक्षा शुल्क, खेलकूद फीस और हॉस्टल की फीस को भी माफ करने की अनुमति दी गई। वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय से लखनऊ में स्थित कालेज एवं इसके अतिरिक्त हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर- खीरी एवं रायबरेली के कॉलेज वर्तमान में संबद्ध है। इन सभी कॉलेज के स्नातक छात्रों के शुल्क में 25% से ज्यादा की कमी की गई। इसको भी कार्य परिषद ने अपना अनुमोदन दिया गया।

VoL PAGE 3

स्नातक प्रवेश परीक्षा शुरू, आधे ने छोड़ी

लखनऊ ।लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र में प्रवेश के लिए स्नातक प्रवेश परीक्षा मंगलवार से शुरू हो गई। 31 अगस्त तक अलग.अलग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा होगी। पहले दिन पहली पाली में बीवोक और दूसरी पाली में बीजेएमसी की प्रवेश परीक्षा हुई। मंगलवार को ही प्रारंभिक अर्हता परीक्षा होने के कारण बीजेएमसी प्रवेश परीक्षा 49 फीसद अभ्यर्थियों ने छोड़ दी। वहीं पहली पाली में हुई बीवोक प्रवेश परीक्षा 37 फीसद अभ्यर्थियों ने छोड़ दी। बीवोक में प्रवेश के लिए 41 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिसमें से 26 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 15 ने परीक्षा छोड़ दी। इसी क्रम में बीजेएमसी में प्रवेश के लिए 208 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इसमें 107 से परीक्षा दी और 101 अनुपस्थित रहे। स्नातक प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्न पत्र प्रणाली के आधार पर हुई। 100 प्रश्नों के उत्तर अभ्यर्थियों को देने थे। प्रत्येक अंक के लिए दो अंक निर्धारित हैं। परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यर्थियों ने कहा कि पेपर सरल था।

PIONEER PAGE 3

लविवि कार्यपरिषद ने दी यूजी कोर्सों के शुल्क में 25 फीसदी से ज्यादा कटौती को हरी झंडी

● एसटी छात्राओं के ट्यूशन, परीक्षा, खेलकूद तथा हॉस्टल की फीस माफ करने की मिली मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सत्र 2020-21 में लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक कोर्सों में दाखिला लेने वाले छात्रों को विवि की तरफ से बड़ी राहत मिली है। मंगलवार को विश्व विद्यालय में संपन्न हुए विद्या परिषद एवं कार्य परिषद की बैठक में स्नातक छात्रों के शुल्क में 25 फीसदी से ज्यादा कटौती पर सहमत दे दी गई है। ऐसे में इसका सीधा लाभ विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों के अभिभावकों को मिलेगा। पिछले दिनों शुल्क निर्धारण के मसले पर सीमा विस्तार के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय के अधीन आने वाले जिले हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी एवं रायबरेली के कालेज संचालकों ने विश्वविद्यालय के कुलपति से मुलाकात कर शुल्क में कटौती की मांग की थी। कालेजों का कहना था कि कानपुर विश्वविद्यालय की अपेक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय में शुल्क ज्यादा लिए जा रहे हैं। कॉलेजों के प्रस्ताव पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने सैद्धांतिक सहमत देते हुए शुल्क में कटौती का आश्वासन दिया था। जिसके बाद आज विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर आलोक राय की अध्यक्षता में विद्या परिषद एवं कार्य परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नई शिक्षा नीति 20 को कार्यपरिषद ने अनुमति प्रदान कर दी गई। इसके साथ ही कार्यपरिषद ने अनुसूचित जाति जनजाति की छात्राओं के समस्त शुल्क यथा ट्यूशन फीस, परीक्षा शुल्क, खेलकूद फीस तथा हॉस्टल की फीस को माफ करने की मंजूरी दे दी। वहीं वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय से लखनऊ में स्थित कालेज एवं इसके अतिरिक्त हरदोई सीतापुर लखीमपुर खीरी एवं रायबरेली जिले के संबद्ध कालेजों के स्नातक छात्रों के रूप में 25 फीसदी से ज्यादा कटौती को कार्यपरिषद ने मंजूरी दे दी।

इसके साथ ही बैठक में हाईकोर्ट के आदेश पर शिक्षा शास्त्र विभाग के 2 शिक्षकों डॉ अरुण कुमार और डॉक्टर सरवन के लिफाफे खोलकर उन्हें प्रोफेसर के पद पर प्रोन्नति दी गई। जबकि समान मामले में ओरिएंटल पर्शियन विभाग के शिक्षक का लिफाफा नहीं खोला गया।

दाखिले को लेकर एलयू की पहले दिन की प्रवेश परीक्षा सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

स्नातक कक्षाओं में दाखिले को लेकर मंगलवार से लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक की प्रवेश परीक्षा शुरू हो गई। पहले दिन पहली पाली में बीओक की परीक्षा होने के चलते ज्यादा अभ्यर्थी नहीं थे। इस दौरान परिसर में प्रवेश करने से लेकर परीक्षा हॉल तक में कोविड प्रोटोकॉल का पालन होते देखा गया।

परीक्षा कक्ष में प्रवेश पर सभी अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड चेक किए गए। साथ ही पहचान पत्र भी देखा गया। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों एवं आरक्षण वालों के दस्तावेजों की जांच करने के बाद उन्हें परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी गई। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि जिन्होंने आरक्षण का दावा किया है, उनके दस्तावेज चेक किए गए हैं। 31 अगस्त तक जो भी प्रवेश परीक्षा होगी, संबंधित अभ्यर्थियों को उसमें आरक्षण संबंधी प्रमाण पत्र लेकर आना होगा। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पहले सत्र में बीओक की परीक्षा संपन्न हुई जिसमें 26 अभ्यर्थी शामिल हुए जबकि 15 अनुपस्थित रहे। वही सायं कालीन सत्र में बीजेएमसी की प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें 107 अभ्यर्थी उपस्थित हुए और 101 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

एलयू में यूजी की प्रवेश परीक्षाएं शुरू

स्वतंत्र भारत लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी के यूजी (अंडर ग्रेजुएट) कोर्सेज में दाखिले के लिए मंगलवार से प्रवेश परीक्षाएं शुरु हुई। लखनऊ यूनिवर्सिटी ने न्यू और ओल्ड दोनों ही कैंपस में एग्जामिनेशन सेंटर बनाएं गए हैं। गृह विज्ञान विभाग के अटल बिहारी वाजपेयी ब्लॉक में सुबह से ही गहमागहमी दिखी। ऑफलाइन मोड से हो रही इन परीक्षाओं में विश्वविद्यालय प्रशासन कोविड प्रोटोकाल का सख्ती से पालन करा रहा है। 24 अगस्त से शुरू हुए लखनऊ यूनिवर्सिटी के त एंट्रेंस एग्जाम 31 अगस्त तक आयोजित होंगे। वहीं पोस्ट ग्रेजुएट एंट्रेंस के लिए अभी विश्वविद्यालय प्रशासन ने शेड्यूल जारी नहीं किया है। उधर एंट्रेंस एग्जाम की तारीख में बदलाव की मांग लेकर युवजन छात्रसभा से जुड़े स्टूडेंट्स गेट नंबर-1 के सामने धरना देते नजर आए। इससे पूर्व भी इस संगठन से जुड़े स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए एंट्रेंस एग्जाम के शेड्यूल को बोर्ड के कंपार्टमेंट एग्जाम के कारण बदलने की मांग की थी। पहली पाली में 11 बजे स्टूडेंट्स एग्जामिनेशन सेंटर पहुंचे।दूसरी शिफ्ट में BJMC के लिए दोपहर बाद 3 बजे से शाम 4.30 बजे तक एंट्रेंस एग्जाम आयोजित किया जाएगा। 31 अगस्त तक ग्रेजुएशन, प्रोफेशनल कोर्स समेत बीएलएड कोर्स के एंट्रेंस एग्जाम का शेड्यूल जारी हुआ है। रु ओल्ड कैंपस के एग्जामिनेशन सेंटर में एंट्रेंस एग्जाम देते अभ्यर्थी रु ओल्ड कैंपस के एग्जामिनेशन सेंटर में एंट्रेंस एग्जाम देते अभ्यर्थी लखनऊ यूनिवर्सिटी में इस बार अंडर ग्रेजुएट व पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में रिकॉर्ड आवेदन आए हैं। लगभग 9 हजार सीटों के सापेक्ष 73 हजार एप्लिकेंट हैं। इनमें त स्तर पर 44 हजार से ज्यादा आवेदन और PG स्तर पर 19 हजार के करीब आवेदन हैं।

कुलपति ने दोबारा एग्जाम कराने का दिया भरोसा

वहीं गेट नंबर-1 पर प्रदर्शन कर रहे युवजन छात्र सभा के परवेज अहमद ने बताया कि 7 सदस्यीय स्टूडेंट्स के ग्रुप से कुलपति मिले हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि जो छात्र बोर्ड एग्जाम के कंपार्टमेंट व इम्प्रूवमेंट के कारण यूनिवर्सिटी के एंट्रेंस एग्जाम नहीं दे सके हैं, उनके लिए यूनिवर्सिटी अलग से एग्जाम कराएगी। वहीं बीए ऑनर्स और बीकॉम ऑनर्स पाठ्यक्रम बंद कराए जाने की खबर को अफवाह बताया।

FIRST INDIA PAGE 2

LU decides to reduce college fees of grad students by 25%

First India Bureau

Lucknow :Vice Chancellor of Lucknow University, Professor Alok Kumar Rai on Tuesday chaired a meeting of the Academic Council and the Executive Council of the institution. The Executive Council approved the New Education Policy-2020 and also granted permission for waiving off fees of scheduled tribe girl students in full. The components of the fee included tuition fees, examination fees, sports fees and hostel fees. The executive Council also decided to reduce the fees of all the colleges by 25% for all graduate students.

B.VOC, BJMC EXAMINATIONS CONDUCTED IN UNIVERSITY

The graduation level entrance examinations were conducted in Lucknow University on Tuesday. In the first session the entrance test of B.Voc course was conducted in which 26 candidates were present while 15 were absent. In the evening session, the entrance examination of BJMC i.e. Journalism and Mass Communication was held, which saw 107 candidates in attendance while 101 were absent. The graduation level entrance examinations for the university are being conducted on different days this week and the details with regards to the date of the examinations is also available on the Lucknow University website www.lkouniv.ac.in.

TIMES OF INDIA PAGE 3

50% aspirants skip LU BJMC entrance exam

37% Give BVoc A Miss

Times News Network

Lucknow: The entrance tests for admission to over 4,000 seats in 12 Undergraduate (UG) courses of the Lucknow University began on Tuesday.

On the first day, almost every third candidate appearing for Bachelor in Vocational Studies (BVoc) in renewable energy and every fourth candidate in Bachelor of Journalism and Mass Communication (BJMC) skipped the test despite the fact that the university received an overwhelming response to its various UG courses this year as compared to last year.

The entrance tests will continue till August 31.

According to experts, the reason behind students skipping the test was the fact that a number of other universities and colleges have begun admitting students on basis of 10+2 marks.

For such students, LU was just a backup option.

TODAY'S EXAM

Course	Test duration
Bachelors in elementary education	11am to 12.30pm
BSc (Maths)	3pm to 4.30pm

In the two professional courses, a total of 133 candidates appeared for the test.

Around 37% of the candidates skipped the BVoc examination held in the first shift.

Only 26 candidates of the total 41 registered for the BVoc examination appeared.

For the BJMC admissions, around 49% of the candidates skipped the entrance test.

A total of 208 candidates had registered but only 107 turned up.

"This time students have scored really well hence the creamy layer has only opted LU as a backup option. In other places, admission is through 10+2 marks basis and the creamy layer has already secured the place in the first cut-off list or is confident about getting admission due to high scores," said an expert.

The candidates, meanwhile, turned up on the campus wearing masks, holding sanitizers and maintained social distancing.

Most candidates said the entrance paper was moderate to tough.

"Covid-19 protocol could be easily maintained during the entrance test as less number of candidates had turned up. The examination was a tough one especially the section that tested candidates' knowledge in general awareness," said Ankita Singh, one of the aspirants.

"The examination was held maintaining Covid-19 protocol. On Wednesday, in the first shift, the Bachelor in Elementary Education entrance test will be held from 11am to 12.30pm while in the second shift BSc (Maths) entrance test will be held from 3pm to 4.30pm," said admission coordinator Prof Pankaj Mathur.

LU reduces fee but all won't benefit

Times News Network

Lucknow: Lucknow University's decision to reduce enrolment and examination fees from the next session will provide relief to students studying in affiliated colleges in Lucknow but will burden those enrolled in affiliated colleges in four other districts.

This, because the affiliation of these colleges was transferred from Kanpur's Chhatrapati Shahuji Maharaj University to LU a few months ago.

"We were paying Rs 1000 as examination fees and around Rs 300 as enrollment fees. For us, LU's new structure would be 2-3 times higher," said a student. LU executive council on Tuesday decided to reduce exam fee in every semester by about 25% and enrolment fee up to 50%. The examination fee till now was Rs 4,000, which now has been reduced to Rs 3,000. The enrolment fees differ from subject to subject and the maximum amount charged was Rs 1000, which now will be Rs 500. Around a lakh students study in 344 affiliated colleges in Lakhimpur Kheri, Rae Bareli, Sitapur and Hardoi, while only 50,000 students study in 180 colleges located in Lucknow.

4-yr flexible UG course plan gets LU academic body nod

University Had Drafted Own Syllabus

Times News Network

Students will learn vocational skills, undergo internship and will have the flexibility to study subjects of other streams as well as multiple entry-exit options

Lucknow: Over 1.5 lakh students of Lucknow University and its 524 affiliated colleges will pursue four-year undergraduate course designed in accordance with the New Education Policy (NEP)-2020 from the next academic session expected to start from September.

During a meeting on Tuesday, the academic council (AC) put the final stamp on the four-year syllabi prepared by the LU faculty members.

With the academic council's approval, LU is now among the first few universities to adopt four-year UG programme.

In May this year, the government had prepared a Common Minimum Syllabus (CMS), claimed to be formulated in accordance with NEP-2020, and directed all state universities to adopt the syllabus.

CMS faced strong opposition from LU faculty members who said the government's syllabus did not offer students greater employability on taking an exit from the course at every stage. They said the concepts and practicals recommended in CMS were not suitable for affiliated colleges as they didn't have the required infrastructure, expertise and resources. The teachers also claimed that the university was currently offering a better syllabus than CMS.

The Common Minimum Syllabus was rejected by the commerce, science, law and arts faculty boards, while the education department accepted it with the condition that it would adopt CMS in future.

Later, LU teachers drafted their own syllabus which was passed by all academic bodies – board of studies, faculty board and academic council.

According to the four-year UG course structure and syllabus drafted by LU, a student will learn vocational skills, undergo internship and will have the flexibility to study subjects of other streams as well. Also, the four-year UG courses with multiple entries and exit options will allow students to build their own degrees.

A student will get a certificate after a year's programme, an advanced diploma after two years, a Bachelor's degree after three years, and a Bachelor's with research after four years of study.